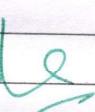
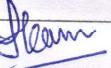


IQAC Meeting - 18/09/2021

महाविद्यालय के IQAC की बूर्झकालिक meeting किनारे 18/09/2021 को कक्ष क्रमांक 21 में दोपहर 12.30 बजे आयोजित की गई।
 बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर. शन. सिंह ने की। बैठक में NAAC से संबंधित विभिन्न मुद्रके तथा महाविद्यालय के उत्तराधि के संबंध में विस्तारपूर्वक व्यापार की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए।-

डॉ. आर. शन. सिंह — प्राचार्य 

डॉ. जगजीत कोर सलूजा — 

डॉ. रक्षा सिंह —

डॉ. अनिला शाह —

डॉ. सोमाली शुभा — 

डॉ. प्रशांत कुलकर्णी — 

डॉ. अनुपमा अस्थाना — 

डॉ. सुनिता बी. मेठ्यू — 

डॉ. लरलोधन कोर —

डॉ. पृष्ठभावती — 

डॉ. संजु सिन्हा — 

डॉ. अमितक भिष्या — 

स्त्री अनिल बल्लोवार 

स्त्री आर. कु. शामी —

स्त्री संजय पाटक — 

स्त्री फारूक —

→ बैठक में सभी वार्ष्य सदस्यों के स्वागत के पश्चात्
 डॉ. जगजीत कोर सलूजा ने पिछली बैठक के मिनट्स पढ़े।

→ इसके पश्चात् प्राचार्य ने मिटिंग के रजोंडा सभी को अवेगत कराया।

- साथ ही पिछली बार के मिनरेक्स रूपे लिए गये दृष्टिशान्ति की जानकारी मी सदरस्यों को दिये जाये।
- यी अनिल वल्लोवार ने सुझाव दिया कि महा. वि. में NAAC की माइटिंग के दौरान सभी बाह्य सदस्यों की विप्रिंग करायी जाये।
- डा. रक्षा सिंह ने सुझाव दिया कि महा. वि. की सभी जानकारियों को IISR में Additional information में add किया जाये।
- डा. प्रशांत यीवारस्वामी ने NAAC Peer Team के सुझावों को अध्ययन महा. वि. में अनल करने का सुझाव दिया जो निम्नलिखित है:-
- महा. वि. के सभी प्रौढ़ वृक्षों का वार को तथा उनके वर्णन।
- महा. वि. को विभिन्न जोन में वांछता।
- महा. वि. में Counselling cell की उपेक्षा काइसिलिंग सेन्टर की स्थापना करना।
- अनिल वल्लोवार महा. वि. में Health centre की स्थापना करनी चाहते हैं और उन्होंने महा. वि. के प्राइवेट को हेतु भुगत हेल्थ एकाडमी कराने का प्रस्ताव दिया।
- विभिन्न विभागों में इनाउन्पलानों के जोड़ अदारित क्रियाकलापों हेतु महा. वि. के नियिंग पोर्ट पर महिलाओं की मार्गीदारी बढ़ाना।
- डा. होने NET एवं JRF की coaching तथा जियोलाजी एवं Pathology में रसायनिकी की स्थापना करने पर जोर दिया।
- साथ ही 3 व्योंने शोध छांतों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम करने की बात की। साथ ही PG students तथा Research scholars के छोटी कक्षाओं को पढ़ाने पर जोर दिया। तथा जीर्ण आवश्यकताओं को जोर दिया जिसके अंतर्गत टाइप टेक्निक्स के शोध वाली वाहिनी।

- इसके पश्चात मिटिंग में जनरल डिस्केशन के लिए open किया गया, तथा उपरिकृत सदस्यों से उनके सुझाव मांगे गए।
- सर्वप्रथम प्राचार्य ने महाविद्यालय में आईटीइस विभाग छारा आयोजित किये जा रहे ढोकरा आईटीइस के बारे में जानकारी की तथा आयोजनकर्ता विभाग को बहुत बधाईया दी।
- प्राचार्य ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों छारा वलाये जा रहे Value Added course तथा Certificate course की भी जानकारी सभी सदस्यों को दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के लगभग 149 विद्यार्थियों ने NEPTEL तथा MOOCs में Registration कराया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अनेकाले समय में सभी PG students के लिए Internship आवश्यक किया जायेगा।
- उन्होंने Placement cell के फ्रैंच लगतार किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।
- उन्होंने जानकारी दी कि महाविद्यालय के renovation के लिए 1.5 करोड़ कमपये उपलब्ध हैं तथा कुण्डलवाला स का भवन पूरी तरह तैयार है। साथ ही सेम्पवेल को निर्माण कार्य पूरी हो चुका है।
- उन्होंने जानकारी दी कि इस संग्रह में 4 certificate course तथा 1 diploma course पारंग किया गया रहा है, तथा 11 certificate रखे 6 diploma course के affiliation हेतु यूनिवर्सिटी को भेजा गया है।
- पूरी आर. कृष्णर्मा ने सुझाव दिया कि बाह्य सदस्यों को बैठक के पूर्व Briefing session किया जाये। (बैठक दो बैठक) के महीने। अंतराली ना रखा जाये तथा सदस्यों की बैठक के लगभग 1 घण्टा ही भिटिंग के बजेका दिये जाये, जिससे सभी सदस्य पूरी तैयारी के लिए सभी मिल सकें।

→ उन्होंने लोब. में किये जा रहे प्रयोगों को आम जनता को समझने लायक बनाने पर जोर दिया।
 → श्री संजय पाठक ने सुझाव दिया कि सभी शोधों को आम जनता तक अवश्य पहुँचायें। साथ ही उन्होंने कहा कि समान्वार पर्यों में भेजे जाने वाले समाचार आर्क्टिक घोने-चाहिए, खंके श्वेत के मेहानों को संरक्षित करने हेतु मुहिम चलाने की बात कही।
 श्री अनिल बल्लेकर जी ने कहा कि Alumni हेतु भू-वि. में स्थान आवादित किया जाना चाहिए, जहां Success Story के रूप में अप्रकल्पी को ऊंचांकित किया जाना चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा Practical कराने तथा Project के लिए सही मार्गदर्शन देने की बात कही।

उन्होंने भू-वि. के प्रक्रेश कार्य पर भू-वि. का Location Map लगाने की बात कही। प्राच्यर्थी भृषीदय ने विभिन्न catalogues के विवादियों को विस्तीर्ण सहायता दिये जाने की मांग रखी। साथ ही उन्होंने भू-वि. की सभी Policies को College Policy manual के रूप में प्रदर्शित करने की बात कही।

श्री जी ने extempore व group discussion के कार्य विवादियों के personality development की बात कही। तथा सभी नये पाठ्यक्रम स्थानीय और वैश्वीकृत ओं पर आधारित क्षेत्रों विज्ञान पर के होने चाहिए।

→ उन्होंने Alumni कार्य सहायता बदान करने का सुझाव दिया।

→ ₹१०५ के अंत में Dr. प्रशान्त कुलकर्णी ने धन्यवाद दीपन किया।

